ज्वालामुखी योग - 37

अव्यक्त बापदादा :- (14.03.2006)

➳ _ ➳ **लगाव, तनाव और स्वभाव**

स्व-उन्नति के प्लैन बनायेंगे, इसमें स्वयं के चेकर बनकर चेक करना, यह रॉयल मैं तो नहीं आ रही है क्योंकि आज होली मनाने आये हो। तो बापदादा यही संकल्प देते हैं तो आज देह-अभिमान और अपमान की जो मैं आती है, दिलशिकस्त की मैं आती है, इसको जलाके ही जाना, साथ नहीं ले जाना। कुछ तो जलायेंगे ना। आग जलायेंगे क्या! ज्वालामुखी योग अग्नि जलाओ। जलाने आती है? हाँ ज्वालामुखी योग, आता है? कि साधारण योग आता है?

➳ _ ➳ **ज्वालामुखी बनो। लाइट माइट हाउस। तो यह पसन्द है? अटेन्शन प्लीज़, मैं को जलाओ। बापदादा जब मैं-मैं का गीत सुनता है ना तो स्विच बन्द कर देता है। वाह! वाह! के गीत होते हैं तो आवाज बड़ा कर देते हैं। क्योंकि मैं-मैं में खिचावट बहुत होती है। हर बात में खिचावट करेंगे, यह नहीं, यह नहीं, ऐसा नहीं, वैसा नहीं। तो खिचावट होने के कारण तनाव पैदा हो जाता है। बापदादा को लगाव, तनाव और स्वभाव, उल्टा स्वभाव।**

➳ _ ➳ **वास्तव में स्वभाव शब्द बहुत अच्छा है। स्वभाव, स्व का भाव। लेकिन उसको उल्टा कर दिया है। न बात की खिचावट में करो, न अपने तरफ कोई को खिचाओ। वह भी बहुत परेशानी करता है। कोई कितना भी आपको कहे, लेकिन अपने तरफ नहीं खींची। न बात को खीचों, न अपने तरफ खींचो, खिचावट खत्म। बाबा, बाबा और बाबा । पसन्द है ना! तीन बातें या एक मैं को छोड़कर जाना यहाँ, साथ नहीं लेके जाना, ट्रेन में बोझ हो जायेगा। आपका गीत है ना - मैं बाबा की, बाबा मेरा। हैना। तो एक मैं रखो, दो मैं खत्म।**

➢➢ ऐसा पुरुषार्थ करना है, जिससे दुसरे हमारी तरफ आकर्षित न हो..

➳_ ➳ न हम किसी की तरफ आकर्षित हों, न दुसरे हमारी तरफ आकर्षित हो...

➳_ ➳ योगी योगी की तरफ आकर्षित होगा...

➳_ ➳ अन्तर्मुखी अन्तर्मुखी की तरफ आकर्षित होगा...

➳_ ➳ वैरागी तपस्वी योगी की तरफ आकर्षित होगा...

→ लोग हमारी तरफ आकर्षित न हो, इसके लिए क्या किया जाये...

- **देह से मर जाना है...**
  - **dead body किसी को क्या आकर्षित करेगी...**
  - **जीते जी मर जाना है संसार से, संस्कार से...**
- **Know the truth.**
  - **यहाँ कोई किसी का नहीं है...**
  - **जो आज स्तुति कर रहे हैं, कल निंदा भी करेंगे...**

▶ संसार की चीजें आज हैं, कल नहीं रहेंगी...

➢➢ दुसरे हमारी तरफ आकषित न हो, इसके लिए क्या करे...

➳_ ➳ Not to be attracted

→ यदि कोई हमारी तरफ आकर्षित हो रहा है, मतलब हमारा ही स्वयम में सूक्ष्म में आकर्षण है...

➳_ ➳ NOt to self praise

→ अपने मुह मियां मिट्ठू न बनना..

➳_ ➳ Not to advertise

→ साधनों से अपनी महिमा नहीं करना...

➳_ ➳ Not to accept

→ स्तुति, प्रशंषा को स्वीकार न करना...

■ जब व्यक्ति स्तुति स्वीकार करने लगता है, मैं कुछ हूँ, ये मान लेना और उस में रमन नहीं करना...

➳_ ➳ R Not to react and respond

→ किसी ने तारीफ की, उसका जवाब देना, धीरे धीरे संबध बनता है...

➳_ ➳ Stay incognito

→ यहाँ गुप्त रहने में ही मजा है...

■ जितनी प्रसिद्धि, उतनी ही अशांति...

➳_ ➳ Not to show off

→ अपने हुनर, प्रतिभा का दिखावा करना...

■ जितना दिखावा, उतने लोग आकर्षित करते हैं...

➳_ ➳ Not to bend

→ प्रभावित हो जाना, झुक जाना...

■ भावनाओं में झुक जाना...

➳_ ➳ Not to bind myself

→ खुद को किसी से भी जोड़ना नहीं है...

■ फिर उसके न रहने पर उसकी कमी खलती है...

▶ न्यारा बनने का पुरुषार्थ करना है...